🧠 यूनिट 1.2 – फ़ंक्शनलिज़्म (Functionalism)

🔷 1. Functionalism क्या है?

फ़ंक्शनलिज़्म (Functionalism) उस मनोविज्ञान की धारा है जो यह जानने में रुचि रखती है कि मस्तिष्क और मन "क्या करते हैं" (what they do) — न कि सिर्फ "कौन-से हिस्से हैं" (what they are)।

यह दृष्टिकोण William James सहित अमेरिका में उभरा और University of Chicago व Columbia University में विशेष रूप से विकसित हुआ।

Structuralism (संरचनावाद) के विपरीत जिसमें अनुभव के "तत्वों" को अलग-अलग करके देखा जाता था, फ़ंक्शनलिज़्म यह जानना चाहता था कि "मानसिक प्रक्रियाएँ (mental processes) व्यक्ति अपने पर्यावरण में कैसे उपयोग करती हैं / अनुकूलित होती हैं"।

सरल उदाहरण: अगर कोई बच्चा आग देखे और पीछे हटे — फ़ंक्शनलिज़्म पूछेगा "मन और शरीर ने ऐसा क्यों किया? इससे क्या लाभ हुआ?" न कि सिर्फ "उसने क्या महसूस किया"।

यह मनोविज्ञान का एक विचार-सिद्धांत (school of thought) है।

इसका ध्यान इस पर है —
👉 मन क्या करता है (What mind does)
👉 मनुष्य अपने वातावरण (environment) में कैसे ढलता है (adaptation)

> Structuralism पूछता था — "मन किससे बना है?"
Functionalism पूछता है — "मन क्या काम करता है और क्यों करता है?"

🌟 Functionalism से Psychology को क्या मिला?

Functionalism ने मनोविज्ञान को नई दिशा दी —
इसने कहा कि "मनोविज्ञान सिर्फ दिमाग़ के अंदर झाँकने का विज्ञान नहीं,
बल्कि जीवन में काम आने वाला व्यवहारिक (practical) विज्ञान है।"
🔹 1. Psychology को जीवन से जोड़ा

> Structuralism केवल “मन के हिस्सों” को समझता था, पर Functionalism ने कहा —
“मन कैसे काम करता है और क्यों करता है, यह ज़्यादा महत्वपूर्ण है।”

इससे Psychology अब लोगों के असली व्यवहार को समझने लगी —
जैसे कि सीखना, याद रखना, सोच, निर्णय लेना, भावनाएँ आदि।
📘 उदाहरण:
किसी विद्यार्थी का ध्यान बार-बार भटकता है —
Functionalism पूछेगा “क्यों?”
→ क्या वातावरण, लक्ष्य, या मन की स्थिति कारण है?

🔷 2. Psychology को Applied (व्यावहारिक) बनाया

Functionalism के कारण मनोविज्ञान सिर्फ प्रयोगशाला तक सीमित नहीं रहा।
अब यह स्कूल, उद्योग, क्लिनिक और समाज में काम आने लगा।

📗 Example:

शिक्षा मनोविज्ञान (Educational Psychology)
औद्योगिक मनोविज्ञान (Industrial Psychology)
क्लिनिकल मनोविज्ञान (Clinical Psychology)
परामर्श (Counselling Psychology)

इन सबकी नींव Functionalism ने रखी, क्योंकि इसने सीखा कि "मनुष्य व्यवहार क्यों करता है"।

🔷 3. Learning और Behaviorism की नींव रखी

Thorndike के "Trial and Error Learning" और "Law of Effect" ने बाद में
Behaviorism (Watson, Skinner) को जन्म दिया।

> यानी Functionalism → Behaviorism का पहला कदम था।

📘 Example:
Thorndike के प्रयोगों से यह साबित हुआ कि व्यवहार सीखा जा सकता है,
और इसी सिद्धांत पर आगे "Reward and

Punishment” (Skinner) आधारित हुआ।

🔷 4. Adaptation (अनुकूलन) का सिद्धांत दिया

Functionalism ने कहा कि मन और व्यवहार का मुख्य उद्देश्य है —
पर्यावरण से सामंजस्य बनाना (adjust with environment)।
यह विचार बाद में evolutionary psychology और developmental psychology में गया।

📗 Example:
हम डरते क्यों हैं? → ताकि ख़तरे से बच सकें।
हम सीखते क्यों हैं? → ताकि भविष्य में सफलता मिले।
👉 यानी व्यवहार का हर रूप जीवित रहने और बढ़ने का तरीका है।

🔷 5. Observation और Experimentation को जोड़ा

Functionalists ने सिर्फ introspection नहीं किया, बल्कि animal studies, reaction-time tests, learning experiments भी किए।
इससे Psychology एक scientific discipline के रूप

में मज़बूत बनी।

📘 Example:
Thorndike की cats, Dewey के reflex tests, Carr के learning experiments —
इन सबने दिखाया कि मनोविज्ञान भी प्रयोगों से सिद्ध किया जा सकता है।

🧩 Functionalism आज भी क्यों पढ़ते हैं?

🌱 (1) यह Psychology की बुनियाद है

आज का हर मनोविज्ञान क्षेत्र —
जैसे learning, motivation, behavior, adjustment, mental health —
Functionalism के सिद्धांतों पर टिका है।
> बिना Functionalism के यह समझना मुश्किल है कि "हमारा मन और शरीर मिलकर कैसे सोचते, सीखते और ढलते हैं।"

---🌱 (2) यह "Applied Psychology" की जड़ है
आज जो मनोविज्ञान समाज में काम कर रहा है —

जैसे counselling, education, clinical therapy — वह सब Functionalism की सोच “मन उपयोगी है” पर आधारित है।
🌱 (3) यह हमें “Purpose of Mind” सिखाता है

Functionalism कहता है:

> “हर मानसिक प्रक्रिया का कोई उद्देश्य होता है।”
यह विचार आज भी काम आता है जब हम motivation, goal setting, adjustment, या learning पर काम करते हैं।

🌱 (4) यह “Whole Behavior” समझने में मदद करता है

Functionalism ने बताया कि
मन, शरीर और पर्यावरण तीनों मिलकर व्यवहार बनाते हैं।
यही holistic दृष्टिकोण आज modern psychology में सबसे ज़रूरी है।

🏫 2. शिकागो स्कूल (Chicago School of Functionalism)

मुख्य मनोवैज्ञानिक: John Dewey, James Angell, Harvey Carr

मुख्य मनोवैज्ञानिक:

1. John Dewey (1859–1952)

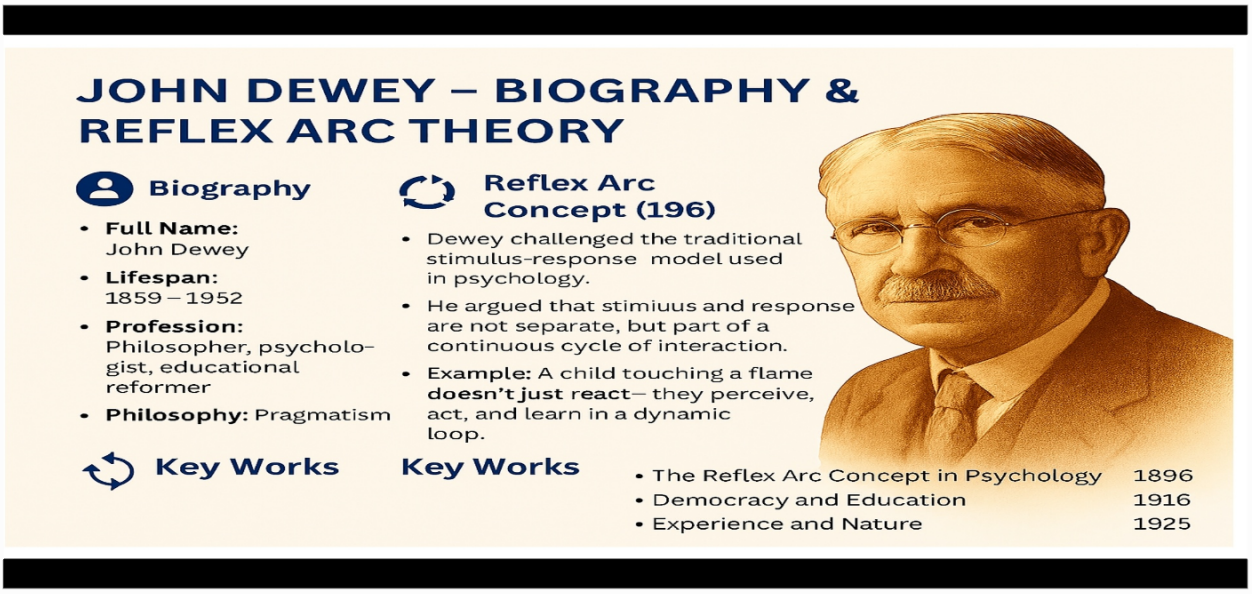

John Dewey — ने "The Reflex Arc Concept in Psychology" प्रकाशित किया जिसमें बताया गया कि अनुभव-प्रतिक्रिया (stimulus-response) का चक्र होता है, और यह प्रक्रिया मन और पर्यावरण के बीच अंत:क्रिया (interaction) को दिखाती है।

Wundt और अन्य structuralists कहते थे कि "Stimulus → Response" बस एक सीधी रेखा है। जैसे:
> आग (stimulus) → हाथ पीछे (response)

Dewey ने कहा:
ऐसा नहीं है! यह तो एक पूरा चक्र (circular process) है —
जिसमें व्यक्ति का अनुभव और सीखना जुड़ा होता है।

उनका प्रयोग:

उन्होंने बच्चों के व्यवहार का अध्ययन किया जब वे किसी वस्तु को छूते हैं।

पाया कि बच्चा पहली बार गलती करता है (जल जाता है), लेकिन दूसरी बार वह हाथ नहीं लगाता।
👉 यानी सीखना और चेतना दोनों साथ काम करते हैं।

मुख्य बात:
Reflex Arc = केवल उत्तेजना-प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि "अनुभव + उद्देश्य + सीखना" का पूरा चक्र।
(Stimulus ↔ Response एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं)
इन्हें शिकागो स्कूल का founder कहा जाता है।

उन्होंने “The Reflex Arc Concept in Psychology” नाम से लेख लिखा।

उन्होंने कहा कि “stimulus (उत्तेजना)” और “response (प्रतिक्रिया)” अलग चीज़ें नहीं हैं — बल्कि एक पूरा अनुभव-चक्र (experience cycle) है।

मतलब: हमारा व्यवहार हमेशा किसी उद्देश्य या वातावरण के अनुसार होता है।

Example:
जब कोई व्यक्ति सुई चुभने पर हाथ खींचता है, यह सिर्फ ‘reflex’ नहीं — यह शरीर और मन की एक संयुक्त क्रिया है।

2. James Rowland Angell (1869–1949)

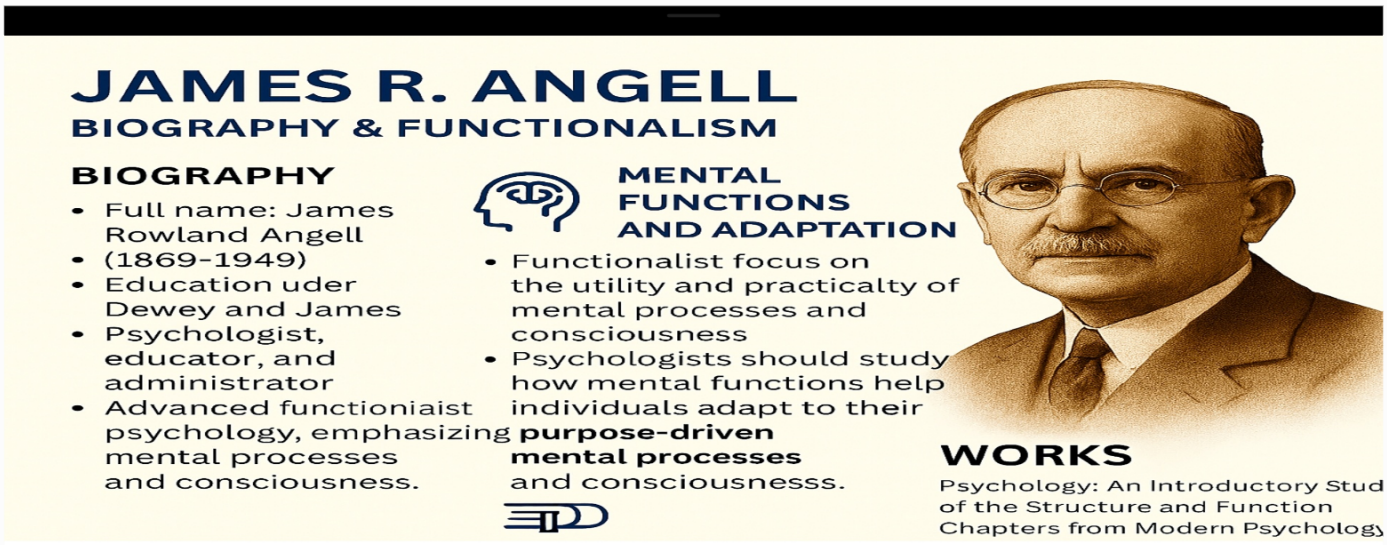

Dewey के बाद शिकागो स्कूल के मुख्य नेता बने।
James Rowland Angell — ने फ़ंक्शनलिज़्म के सिद्धांतों को स्पष्ट किया- “मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाएँ (mental operations) इसलिये हैं कि जीव अपने पर्यावरण के साथ अनुकूलित हो सके।”

उन्होंने Functionalism के 3 main points बताए:

1. Psychology का विषय मानसिक क्रिया-कलाप (mental operations) हैं।

2. यह क्रियाएँ व्यक्ति को पर्यावरण से अनुकूलित (adapt) होने में मदद करती हैं।

3. मन और शरीर एक प्रणाली (system) की तरह साथ-साथ काम करते हैं।

उन्होंने Functionalism को “the study of mental

functions and their practical use” कहा।

Example:
सोच-समझ (thinking) और याददाश्त (memory) जैसे कार्य व्यक्ति को जीवन में निर्णय लेने में मदद करते हैं।
1. Mental Functions पर प्रयोग:

उन्होंने प्रयोगों में “Problem-solving” और “Learning tasks” दिए।

छात्रों से सवाल हल करवाते और उनकी सोचने की प्रक्रिया देखते।

पता लगाया कि सोच (thinking) और स्मृति (memory) का उपयोग व्यक्ति अपने लक्ष्य तक पहुँचने में कैसे करता है।
> Example: किसी को भूलभुलैया (maze) में रास्ता ढूँढने का काम दिया जाता था, और देखा जाता कि वह अपनी सीखी हुई बातों से कैसे अगला कदम चुनता है।
2. Reaction Time Tests:

किसी संकेत (light, sound) के बाद व्यक्ति कितनी जल्दी बटन दबाता है — इससे यह पता चलता था कि उसकी

ध्यान और निर्णय प्रक्रिया कैसे काम करती है।

इससे वे सीखने की गति, ध्यान और मानसिक कार्य का अध्ययन करते थे।

3. Harvey A. Carr (1873–1954)

इन्होंने Functionalism को प्रयोगात्मक रूप (experimental form) में आगे बढ़ाया।

उनका कहना था कि सभी मानसिक क्रियाएँ किसी उद्देश्य (goal) की पूर्ति करती हैं।

उन्होंने शिक्षा और व्यवहार में प्रयोगात्मक मनोविज्ञान लागू किया।

Example:
बच्चे के सीखने की प्रक्रिया को समझना कि वह किस तरह धीरे-धीरे किसी काम में निपुण (skilled) बनता है।
🧩 (C) पशु व्यवहार प्रयोग

Dewey और Carr ने जानवरों (जैसे चूहे या पक्षी) पर भी

प्रयोग किए।

उन्हें एक भूलभुलैया या बक्से में रखा जाता था ताकि देखा जा सके कि वे कैसे रास्ता ढूँढते हैं और सीखते हैं।
👉 इससे पता चला कि अनुकूलन (adaptation) केवल इंसान नहीं, जानवर भी करते हैं।

🧩 शिकागो स्कूल की विशेषताएँ:

मनोविज्ञान को व्यावहारिक (practical) बनाया।

प्रयोगशाला के बाहर शिक्षा, बच्चों और जानवरों पर अध्ययन किए।

मन और शरीर के संबंध (mind-body relation) को महत्व दिया।

🎓 3. कोलंबिया स्कूल (Columbia School of Functionalism)
मुख्य मनोवैज्ञानिक: Edward L. Thorndike, Robert S. Woodworth.

मुख्य मनोवैज्ञानिक:

1. Edward L. Thorndike (1874–1949)

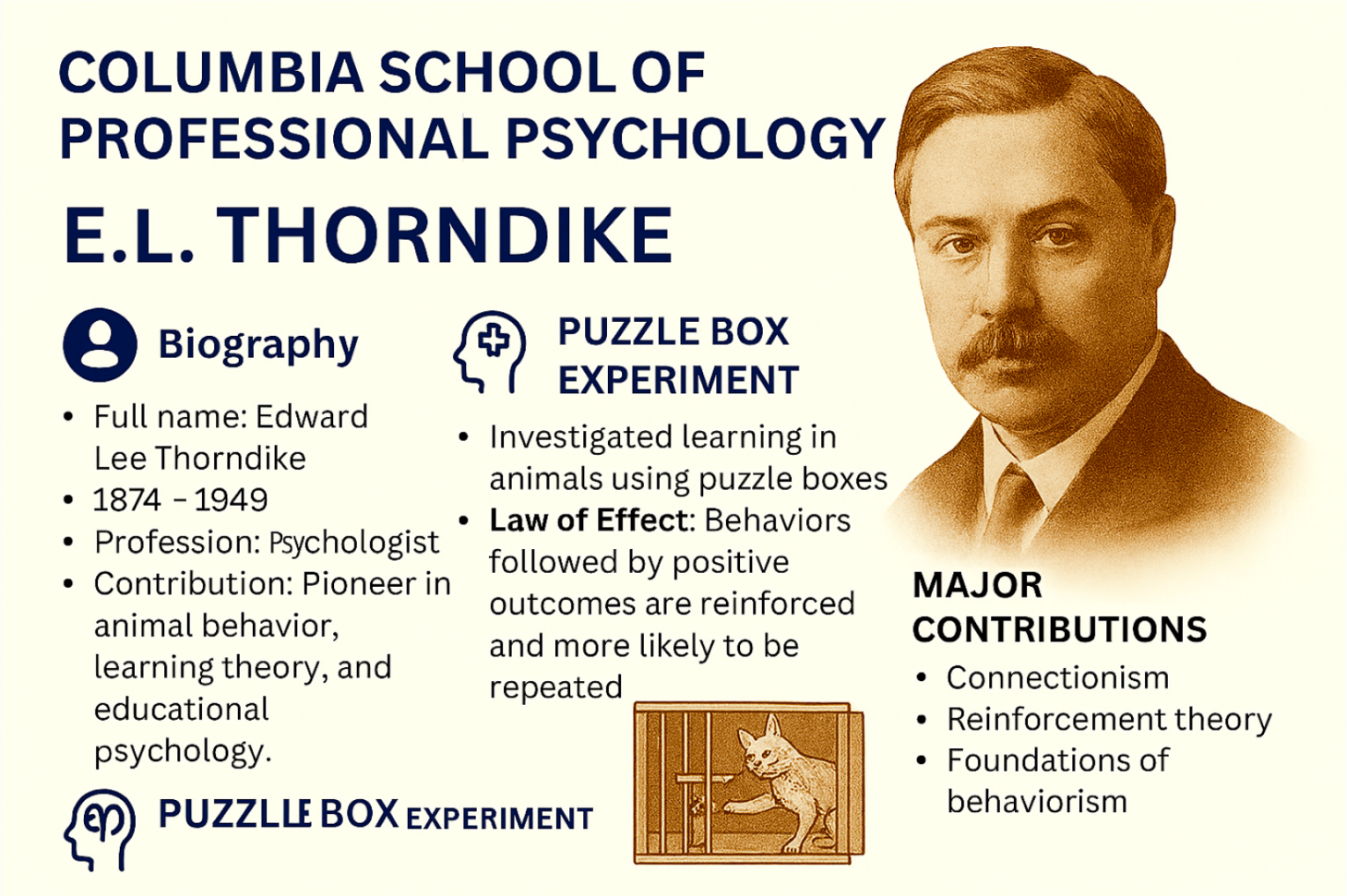

इन्हें “Trial and Error Learning” के लिए जाना जाता है।

उन्होंने “Puzzle Box” में बिल्लियों (cats) पर प्रयोग किए।

उन्होंने कहा —
“सीखना (Learning) आदतों के बनने की प्रक्रिया है।”

जब किसी काम के बाद सफलता मिलती है → वह आदत (habit) बन जाती है।

असफलता → उस क्रिया को दोहराया नहीं जाता।
इसे कहा गया Law of Effect (प्रभाव का नियम)।

Example:
बिल्ली बार-बार लीवर दबाकर खाना पाने का रास्ता सीखती है।

🧩 (A) Edward Thorndike — "Puzzle Box Experiment" 🐱

प्रयोग की विधि:

1. Thorndike ने एक लकड़ी का बक्सा (puzzle box) बनाया जिसमें एक बिल्ली (cat) को रखा जाता था।

2. बॉक्स के अंदर एक लीवर (lever) था जिसे दबाने पर दरवाजा खुलता और बिल्ली को बाहर दूध या खाना मिलता।

3. शुरू में बिल्ली कई बार इधर-उधर कूदती, पंजा मारती — गलती करती (trial and error)।

4. धीरे-धीरे उसने सीखा कि लीवर दबाने से ही खाना मिलता है।

परिणाम (Result):

सीखना “Try – Error – Success” की प्रक्रिया है।

जब किसी क्रिया के बाद सफलता मिलती है, तो वह क्रिया याद रहती है।
👉 इसे कहा गया Law of Effect (प्रभाव का नियम)।

> यानी, "Behavior followed by satisfaction will be repeated."

2. Robert S. Woodworth (1869–1962)

इन्होंने “Dynamic Psychology” का विचार दिया।

कहा कि केवल stimulus और response से व्यवहार नहीं बनता, व्यक्ति की प्रेरणा (motivation) भी जरूरी है।

उन्होंने सूत्र दिया —
S–O–R (Stimulus – Organism – Response)
यानि बीच में "O" यानी Organism की भूमिका (उसकी भावना, इच्छा, सोच)।

Example:
दो छात्र एक ही सवाल सुनते हैं (stimulus),
पर एक जवाब देता है और दूसरा चुप रहता है — क्योंकि उनकी internal motivation अलग है।
🧩 (B) Woodworth — "S–O–R Model Experiment"

पुराना विचार था: Stimulus → Response
Woodworth ने कहा: Stimulus → Organism → Response

मतलब, व्यक्ति की अंदरूनी स्थिति (internal state) भी व्यवहार तय करती है।

उनके प्रयोग:

उन्होंने लोगों से विभिन्न कार्य कराए — जैसे शब्द याद करना, जोड़ना, समस्या हल करना —
और साथ ही उनकी थकान, भावना, प्रेरणा (motivation) पर ध्यान दिया।

उन्होंने पाया कि एक ही उत्तेजना (stimulus) पर अलग-अलग व्यक्ति अलग प्रतिक्रिया देते हैं।

> उदाहरण: “Exam” का नाम सुनकर कोई घबरा जाता है, कोई उत्साहित —
क्योंकि उनकी internal motivation अलग होती है।

🌱 कोलंबिया स्कूल की विशेषताएँ:

शिक्षा और सीखने (learning) पर ध्यान।

व्यवहार को मापने और समझने के लिए प्रयोगात्मक तरीके।

मनोविज्ञान को behaviorism की ओर ले जाने में आधार तैयार किया।

🔍 Functionalist प्रयोगों की खास बातें:

विशेषता विवरण

🔹 उद्देश्य यह जानना कि मानसिक क्रियाएँ व्यक्ति को वातावरण से कैसे अनुकूल करती हैं
🔹 विधियाँ Observation, Reaction Time, Animal Study, Learning Tasks
🔹 विषय Learning, Adaptation, Motivation, Adjustment
🔹 दृष्टिकोण मन और व्यवहार को एक साथ देखना (holistic approach)
🔹 प्रयोग क्षेत्र स्कूल, शिक्षा, जानवर, दैनिक जीवन की परिस्थितियाँ

⚖️ 4. Structuralism vs Functionalism (संरचनावाद बनाम कार्यवाद)

बिंदु Structuralism Functionalism

संस्थापक Wundt, Titchener Dewey, Angell, Carr, Thorndike
ध्यान मन के तत्व (elements of mind) मन के कार्य (functions of mind)
पद्धति Introspection (आत्म-निरीक्षण) प्रयोग, अवलोकन, व्यवहार अध्ययन
उद्देश्य मानसिक संरचना जानना मानसिक क्रियाओं का उपयोग और अनुकूलन
प्रयोग क्षेत्र प्रयोगशाला तक सीमित जीवन, शिक्षा, समाज में लागू

🧭 सरल शब्दों में याद रखो:

Structuralism Functionalism

Mind के parts क्या हैं? Mind क्या करता है?
“What is consciousness?” “What is the use of consciousness?”
Wundt, Titchener Dewey, Angell, Carr

Lab-based, introspection Practical, adaptation-based
Starting point.
Development stage
.....
📚 संक्षेप में याद रखो:

Dewey → Reflex Arc (मन और शरीर की संयुक्त क्रिया)

Angell → Mental Functions & Adaptation

Carr → Learning and Purposeful Action

Thorndike → Puzzle Box, Trial & Error, Law of Effect

Woodworth → S–O–R Model (Organism की भूमिका)

🌟 5. Functionalism का महत्व

Psychology को व्यावहारिक विज्ञान बनाया।

आधुनिक शिक्षा मनोविज्ञान, विकास मनोविज्ञान, और Applied Psychology की नींव रखी।

Behaviorism के विकास का मार्ग तैयार किया।

मनोविज्ञान को “जीव और पर्यावरण की क्रिया-प्रतिक्रिया” के रूप में देखने की दृष्टि दी।

📚 6. Summary (सारांश)

Functionalism का केंद्र — “मन और व्यवहार का कार्य क्या है?”

Chicago School → Dewey, Angell, Carr

Columbia School → Thorndike, Woodworth

इसने Psychology को वास्तविक जीवन से जोड़ा — Learning, Adaptation, Motivation जैसे concepts का विकास हुआ।

🔍 संक्षेप में याद रखो:

Functionalism से मनोविज्ञान को लाभ परिणाम

🔷 मनोविज्ञान को प्रयोगशाला से बाहर निकाला Practical psychology बनी
🔷 सीखने और अनुकूलन की समझ Learning & behaviorism की नींव
🔷 Applied fields का विकास Education, industry, counselling
🔷 मनोविज्ञान को वैज्ञानिक बनाया Observation और experiment methods
🔷 मानव व्यवहार को उद्देश्यपूर्ण बताया Goal-directed psychology बनी

✨ निष्कर्ष (Conclusion)

> Functionalism ने Psychology को “जीवन का विज्ञान” बना दिया।
अब यह सिर्फ “mind के तत्व” नहीं, बल्कि “मन के कार्य और उद्देश्य” को समझता है।

इसलिए आज भी इसे पढ़ना ज़रूरी है —
ताकि हम जान सकें कि मन कैसे काम करता है, क्यों करता है, और यह जीवन में कैसे मदद करता है।
--

🎯 Objective Questions

🔹 1. Functionalism का मुख्य उद्देश्य क्या था?

a) Mind के हिस्सों को जानना
b) Mind के कार्यों और उनके उद्देश्य को समझना ✅
c) केवल भावनाओं का अध्ययन करना
d) अवचेतन मन का विश्लेषण करना
Functionalism focused on understanding the functions and purpose of mental processes.

🔹 2. “Father of Functionalism” किसे कहा जाता है?

a) Edward Titchener
b) John Dewey
c) William James ✅
d) Wilhelm Wundt
William James laid the foundation of

Functionalism in his book “The Principles of Psychology” (1890).

🔷 3. “Stream of Consciousness” की अवधारणा किसने दी थी?

a) John Dewey
b) William James ✅
c) Edward Thorndike
d) J. R. Angell

James described consciousness as a continuous, ever-flowing process.

🔷 4. John Dewey ने किस सिद्धांत को Functionalism की नींव माना?

a) Law of Effect
b) Reflex Arc Concept ✅
c) Trial and Error
d) Habit Formation

Dewey explained behavior as a coordinated, goal-directed act.

🔷 5. Chicago School का संबंध किससे है?

a) Structuralism
b) Functionalism ✅
c) Psychoanalysis
d) Gestalt Psychology
Chicago School developed Functionalism through Dewey, Angell, and Carr.

🔷 6. “Law of Effect” किसने दिया था?

a) Skinner
b) Thorndike ✅
c) Watson
d) Woodworth
Thorndike’s Law of Effect became the basis for learning and behavior theories.

🔷 7. Columbia School के प्रमुख मनोवैज्ञानिक कौन थे?

a) Dewey and Carr
b) Angell and Woodworth
c) Thorndike and Woodworth ✅
d) Wundt and Titchener
Columbia School emphasized experimentation in learning and motivation.

🔷 8. Woodworth की S–O–R Theory में “O” का अर्थ क्या है?

a) Output
b) Organism ✅
c) Object
d) Observation

Woodworth added the role of the organism between stimulus and response.

🔷 9. Functionalism ने Psychology को कैसे बदला?

a) केवल सोच तक सीमित रखा
b) व्यवहारिक (Applied) विज्ञान बनाया ✅
c) केवल introspection पर आधारित किया
d) अवचेतन मन पर केंद्रित किया

Functionalism made psychology practical and applicable to life.

🔷 10. Functionalism किस विचार से जुड़ा है?

a) “What is mind?”
b) “How mind is structured?”

c) “What mind does and why?” ✅
d) “How feelings arise?”
Functionalism asks the purpose and function of mental processes.

🔷 11. William James का कौन-सा विचार बाद में Behaviorism की नींव बना?

a) Stream of consciousness
b) Habit formation ✅
c) Introspection
d) Dream analysis
James’s habit theory influenced behaviorists like Thorndike and Skinner.

🔷 12. Functionalism का सबसे बड़ा योगदान क्या था?

a) Mind के elements को classify किया
b) Psychology को प्रयोगशाला में सीमित किया
c) Psychology को practical और useful बनाया ✅
d) Consciousness को नकारा
It made psychology relevant to education, industry, and society.

🔷 13. Functionalism किसके विरोध में

विकसित हुआ था?

a) Behaviorism

b) Structuralism ✅

c) Psychoanalysis

d) Gestaltism

Functionalism opposed Structuralism's static view of the mind.

🔷 14. Functionalism के अनुसार, हर मानसिक प्रक्रिया का _____ होता है।

a) कोई उद्देश्य नहीं

b) वैज्ञानिक कारण

c) उद्देश्य और उपयोगिता ✅

d) भावनात्मक आधार

Each mental act serves an adaptive purpose.

🔷 15. Functionalism ने Psychology को किस दृष्टिकोण से देखा?

a) Biological

b) Static

c) Functional और Adaptive ✅

d) Philosophical

It viewed mind as an adaptive organ helping

survival and adjustment.

✅ Revision Tip:

याद रखो –

Structuralism पूछता है "मन क्या है?"

Functionalism पूछता है "मन क्या करता है और क्यों करता है?"

.....

🟦 SHORT ANSWER QUESTIONS (संक्षिप्त प्रश्न – उत्तर key points में)

1️⃣ Functionalism क्या है?

उत्तर / Answer (Key Points):

- Functionalism मनोविज्ञान की वह विचारधारा है जो **mind के कार्य और उद्देश्य** को समझती है।
- यह पूछती है — "मन क्या करता है और क्यों करता है?"
- Structuralism के "What is mind?" के बजाय "What does mind do?" पर केंद्रित।
- यह मनोविज्ञान को **व्यावहारिक (practical)** और **अनुकूलन (adaptive)** विज्ञान बनाती है।

2️⃣ William James का

Functionalism में योगदान बताइए।

Key Points:

- "Father of Functionalism" और "Father of American Psychology।"
- Book: *The Principles of Psychology (1890)*
- Main Ideas:
- **Stream of Consciousness** — चेतना एक निरंतर बहाव है।
- **Adaptation** — मनुष्य का व्यवहार पर्यावरण के अनुसार ढलता है।
- **Pragmatism** — जो विचार काम आए वही सत्य है।
- **Habit Formation** — आदतें जीवन को स्थिर करती हैं।

3️⃣ "Stream of Consciousness" से क्या अभिप्राय है?

Key Points:

- William James का सिद्धांत।
- चेतना निरंतर बहती हुई नदी की तरह है।
- मन रुकता नहीं, लगातार एक विचार से दूसरे पर जाता है।
- चेतना को छोटे भागों में बाँटना (जैसे Structuralists

करते थे) गलत है।

4️⃣ Chicago School के मुख्य योगदान बताइए।

Key Points:

- Founder: **John Dewey, J.R. Angell, Harvey Carr**
- Dewey – *Reflex Arc Concept* → Behavior एक *goal-directed act* है।
- Angell – Functionalism के तीन बिंदु (adaptation, usefulness, continuity)।
- Carr – *Adaptive behavior* पर प्रयोग।
- Focus: "व्यवहार क्यों होता है" (purpose of behavior)।

5️⃣ Columbia School के प्रमुख योगदान क्या हैं?

Key Points:

- Main psychologists: **Edward Thorndike, Robert Woodworth**
- Thorndike – *Trial & Error Learning*, *Law of Effect*
- Woodworth – *Dynamic Psychology*, S–O–

R Theory (Organism की भूमिका जोड़ी)।

- जोर: Behavior और Motivation को वैज्ञानिक रूप से समझना।

6️⃣ Functionalism से Psychology को क्या मिला?

Key Points:

- मनोविज्ञान को **व्यवहारिक (applied)** दिशा मिली।
- Observation और Experimentation पर बल।
- Education, Industry, Clinical fields में उपयोग बढ़ा।
- Behaviorism और Learning theories की नींव रखी।

7️⃣ Structuralism और Functionalism में क्या अंतर है?

Key Points:

बिंदुStructuralismFunctionalismसंस्थापकWundt, TitchenerWilliam Jamesध्यानMind की संरचनाMind के कार्यप्रश्न“What is mind?”“What does mind do?”विधिIntrospectionExperiment, Observationप्रकृतिसैद्धांतिकव्यावहारिकपरिणामशुरुआत विकास

🟩 LONG ANSWER QUESTIONS (दीर्घ प्रश्न – उत्तर key points में)

1️⃣ Functionalism की मुख्य विशेषताएँ और योगदान समझाइए।

Key Points:

- **परिचय:**
- Structuralism की प्रतिक्रिया के रूप में विकसित।
- Focus: Mind के कार्य और उद्देश्य।
- **मुख्य व्यक्ति:**
- William James, Dewey, Angell, Carr, Thorndike, Woodworth।
- **मुख्य सिद्धांत:**
- Stream of Consciousness (James)
- Reflex Arc Concept (Dewey)
- Adaptation & Purpose (Angell, Carr)
- Law of Effect, S–O–R Theory (Thorndike, Woodworth)
- **योगदान:**
- Applied Psychology की नींव रखी।
- Behaviorism, Learning, Motivation theories को जन्म दिया।

- Psychology को practical बनाया।
- **निष्कर्ष:**

Functionalism ने Psychology को “जीवन का विज्ञान” बना दिया।
यह आज भी सीखने, सोचने और व्यवहार को समझने का आधार है।

2️⃣ William James के विचारों और Functionalism के सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए।

Key Points:

- **William James – Founder of Functionalism**
- Book: *The Principles of Psychology (1890)*
- **मुख्य विचार:**
- **Stream of Consciousness:** चेतना सतत प्रवाह है।
- **Adaptation:** मनुष्य पर्यावरण के अनुसार ढलता है।
- **Pragmatism:** उपयोगी ज्ञान ही सत्य है।
- **Habit Formation:** व्यवहार का स्थायी रूप।
- **योगदान:**
- मनोविज्ञान को जीवन से जोड़ा।

- Behaviorism के लिए मार्ग प्रशस्त किया।
- Functionalism की वैचारिक नींव रखी।
- **निष्कर्ष:**

William James ने Psychology को “useful science of life and behavior” बनाया।

3️⃣ Chicago और Columbia Schools के Functionalism में योगदान पर चर्चा कीजिए।

Key Points:

- **Chicago School:**
- **John Dewey:** Reflex Arc Concept – Behavior as a whole act.
- **J.R. Angell:** Consciousness aids adjustment and survival.
- **Harvey Carr:** Adaptive behavior experiments.
- **Columbia School:**
- **E.L. Thorndike:** Trial & Error Learning, Law of Effect.
- **R.S. Woodworth:** Dynamic Psychology, S–O–R Model.

- **साझा विचार:**
- Behavior purposeful है।
- Psychology practical और experimental होनी चाहिए।
- **निष्कर्ष:**

इन दोनों schools ने Functionalism को प्रयोगात्मक रूप देकर
Psychology को आधुनिक, उपयोगी और वैज्ञानिक बनाया।

4️⃣ Functionalism और Structuralism की तुलना करते हुए समझाइए कि Functionalism क्यों अधिक उपयोगी सिद्ध हुआ।

Key Points:

- **Structuralism:**
- Focus on parts of mind (sensations, feelings, images)।
- Method: Introspection – subjective।
- **Functionalism:**
- Focus on functions and purpose of mind।
- Method: Observation, experiment,

adaptation।

- **Comparison:**
- Structuralism theoretical था, Functionalism practical।
- Structuralism lab तक सीमित, Functionalism real life तक पहुँचा।
- **Result:**
- Functionalism ने learning, motivation, adjustment जैसे क्षेत्रों की नींव रखी।
- **Conclusion:**

इसलिए Functionalism Psychology को जीवन से जोड़ने वाली विचारधारा साबित हुआ।

.....